

स्वतंत्रता स्त्री. (तत्.) 1. स्वतंत्र रहने या होने की अवस्था या भाव 2. ऐसी स्थिति जिसमें बिना किसी बाहरी दबाव, नियंत्रण या बंधन के स्वयं अपनी इच्छा से सोच समझकर सब काम करने का अधिकार होता है, आजादी 3. वह अवस्था, जिसमें बिना किसी प्रकार की राजकीय या शासकीय बाधा या रोक-टोक के सभी उचित और संगत काम या व्यवहार करने का अधिकार होता है, स्वातंत्र्य, आजादी **जैसे-** भारत में सभी को धर्म, भाषण और विवेक संबंधी स्वतंत्रता प्राप्त है।

स्वतः क्रि.वि. (तत्.) आप से आप, अपने आप, आप ही, स्वयं **जैसे-** मैंने स्वतः उसे रुपए दे दिए।

स्वता स्त्री. (तत्.) 'स्व' का भाव, अपना होने का भाव, अपना धन, स्वकीयता।

स्वतोविरोध पुं. (तत्.) आप ही अपना विरोध या खंडन करना।

स्वतोविरोधी वि. (तत्.) अपना ही विरोध या खंडन करने वाला।

स्वत्व पुं. (तत्.) 1. स्व का भाव, अपनापन 2. वह अधिकार जिसके आधार पर कोई चीज अपने पास रखी या किसी से ली या मांगी जा सकती हो, अधिकार, हक 3. वह स्थिति जिसमें किसी वस्तु या विषय के हानि-लाभ से किसी व्यक्ति का विशेष रूप से संबंध हो, हित।

स्वत्व पारिश्रमिक पुं. (तत्.) 1. स्वत्व/स्वामित्व का पारिश्रमिक या शुल्क 2. खान के मालिक को खान के पट्टेदार द्वारा खनिज निकालने के लिए दी जाने वाली धनराशि/रकम।

स्वत्व प्रलेख पुं. (तत्.) वाणि. विक्रेता या ग्राहक के हस्ताक्षर से युक्त कागज जिसमें खरीदने वाले को उसमें उल्लिखित वस्तु के स्वामित्व का अधिकार दिया जाता है।

स्वत्व शुल्क पुं. (तत्.) वह आवर्तक और नियतकालिक धन, जो किसी भूमि के स्वामी, किसी नई वस्तु के आविष्कारक, किसी ग्रंथ के रचयिता अथवा

ऐसे ही और किसी व्यक्ति को इसलिए बराबर मिलता रहता है कि दूसरे लोग उसकी वस्तु या कृति से आर्थिक लाभ उठाने का अधिकार या स्वत्व प्राप्त कर लेते हैं royalty

स्वत्वहानि स्त्री. (तत्.) स्वत्व की हानि, अधिकार न रहना।

स्वत्वाधिकार पुं. (तत्.) वह अधिकार, जो स्वत्व के रूप में हो।

स्वत्वाधिकारी पुं. (तत्.) 1. स्वामी, मालिक 2. स्वत्व का अधिकारी, हक का मालिक, हकदार व्यक्ति।

स्वदन पुं. (तत्.) 1. खा या चखकर स्वाद लेना, आस्वादन 2. लोहा।

स्वदार/स्वदारा स्त्री. (तत्.) अपनी पत्नी।

स्वदेश पुं. (तत्.) अपना देश, मातृभूमि, वतन।

स्वदेश प्रतिप्रेषण पुं. (तत्.) राज. अपने देश को वापस भेजना **जैसे-** भारत में रह रहे बांग्लादेश के शरणार्थियों को स्वदेश प्रतिप्रेषण किया जाएगा।

स्वदेश प्रतिप्रेषित वि. (तत्.) राज. जिसे अपने देश को वापस भेजा गया हो।

स्वदेशी वि. (तत्.) 1. स्वदेश-संबंधी, स्वदेश का, अपने देश का 2. स्वदेश में होने वाला या बनने वाला।

स्वध पुं. (तत्.) 1. अपना धर्म 2. अपना कर्तव्य और कर्म।

स्वधर्म पुं. (तत्.) 1. अपना धर्म या संप्रदाय 2. अपना उचित कर्तव्य 3. अपनी विशेषता, अपना गुण विशेष **जैसे-** मानव को अपना स्वधर्म नहीं छोड़ना चाहिए।

स्वधर्मशास्त्र पुं. (तत्.) वैयक्तिक विधि।

स्वधर्मी वि. (तत्.) 1. स्वधर्म पालक 2. समानधर्मी, जो विधर्मी या परधर्मी न हो, जो अपने ही धर्म-संप्रदाय का अनुयायी हो।